

rahat indori shayari in hindi

सभी का खून है शामिल यहां की मिट्टी में,
किसी के बाप का हिंदुस्तान थोड़ी है”

अजनबी ख्वाहिशों, सीने में दबा भी न सकूँ।
ऐसे ज़िद्दी हैं परिंदे, कि उड़ा भी न सकूँ ॥

आँख में पानी रखो, होंटों पे चिंगारी रखो।
ज़िंदा रहना है तो, तरकीबें बहुत सारी रखो ॥

रोज़ तारों को नुमाइश में, खलल पड़ता है।
चाँद पागल है, अंधेरे में निकल पड़ता है ॥

उसकी याद आई हैं, साँसों ज़रा धीरे चलो।
धड़कनो से भी इबादत में, खलल पड़ता है ॥

ये हादसा तो किसी दिन, गुज़रने वाला था।
मैं बच भी जाता तो, इक रोज़ मरने वाला था ॥

ना त-आरूफ़ ना त-अल्लुक हैं, मगर दिल अक्सर।
नाम सुनता है, तुम्हारा तो उछल पड़ता है ॥

अंदर का ज़हर चूम लिया, धुल के आ गए।
कितने शरीफ़ लोग थे, सब खुल के आ गए ॥

दो गज सही ये, मेरी मिलकियत तो हैं।
ऐ मौत तूने मुझे, ज़मीदार कर दिया ॥

rahat indori shayari on love

मुझसे पहले वो किसी और की थी, मगर कुछ शायराना चाहिए था।
चलो माना ये छोटी बात है, पर तुम्हें सब कुछ बताना चाहिए था ॥

अब हम मकान में ताला लगाने वाले हैं
पता चला है की मेहमान आने वाले हैं

आँखों में पानी रखों, होंठो पे चिंगारी रखो
ज़िंदा रहना है तो तरकीबे बहुत सारी रखो
राह के पत्थर से बढ के, कुछ नहीं हैं मंजिलें
रास्ते आवाज़ देते हैं, सफ़र जारी रखो

जागने की भी, जगाने की भी, आदत हो जाए
काश तुझको किसी शायर से मोहब्बत हो जाए
दूर हम कितने दिन से हैं, ये कभी गौर किया
फिर न कहना जो अमानत में खयानत हो जाए

rahat indori sher shayari

गुलाब, ख़्वाब, दवा, ज़हर, ज़ाम क्या क्या हैं
में आ गया हु बता इंतज़ाम क्या क्या हैं
फ़कीर, शाह, कलंदर, इमाम क्या क्या हैं
तुझे पता नहीं तेरा गुलाम क्या क्या हैं

कभी महक की तरह हम गुलों से उड़ते हैं
कभी धुएं की तरह पर्वतों से उड़ते हैं
ये केचियाँ हमें उड़ने से खाक रोकेंगी
की हम परों से नहीं हौसलों से उड़ते हैं

हर एक हर्फ़ का अंदाज़ बदल रखा है
आज से हमने तेरा नाम गज़ल रखा है
मैंने शाहों की मोहब्बत का भरम तोड़ दिया
मेरे कमरे में भी एक “ताजमहल” रखा है

rahat indori shayari lyrics in hindi

जवानियों में जवानी को धुल करते हैं
जो लोग भूल नहीं करते, भूल करते हैं
अगर अनारकली हैं सबब बगावत का
सलीम हम तेरी शर्तें कबूल करते हैं

इश्क ने गूथें थे जो गजरे नुकीले हो गए
तेरे हाथों में तो ये कंगन भी ढीले हो गए
फूल बेचारे अकेले रह गए है शाख पर
गाँव की सब तितलियों के हाथ पीले हो गए

सरहदों पर तनाव हे क्या
ज़रा पता तो करो चुनाव हैं क्या
शहरों में तो बारूदो का मौसम हैं
गाँव चलो अमरूदो का मौसम हैं

shayari rahat indori in hindi

लवे दीयों की हवा में उछालते रहना
गुलो के रंग पे तेजाब डालते रहना
में नूर बन के ज़माने में फ़ैल जाऊँगा
तुम आफताब में कीड़े निकालते रहना

जुबा तो खोल, नज़र तो मिला, जवाब तो दे
में कितनी बार लुटा हु, मुझे हिसाब तो दे
तेरे बदन की लिखावट में हैं उतार चढाव
में तुझको कैसे पढ़ूँगा, मुझे किताब तो दे

सफ़र की हद है वहां तक की कुछ निशान रहे
चले चलो की जहाँ तक ये आसमान रहे

ये क्या उठाये कदम और आ गयी मंजिल
मज़ा तो तब है के पैरों में कुछ थकान रहे

dr rahat indori shayari in hindi lyrics

उसकी कत्यई आंखों में हैं जंतर मंतर सब
चाकू वाकू, छुरियां वुरियां, खंजर वंजर सब

जिस दिन से तुम रूठीं, मुझ से, रूठे रूठे हैं
चादर वादर, तकिया वकिया, बिस्तर विस्तर सब

मुझसे बिछड़ कर, वह भी कहां अब पहले जैसी है
फीके पड़ गए कपड़े वपड़े, ज़ेवर वेवर सब

जा के कोई कह दे, शोलों से चिंगारी से
फूल इस बार खिले हैं बड़ी तैयारी से

shayari by rahat indori in hindi

बादशाहों से भी फेके हुए सिक्के ना लिए
हमने खैरात भी मांगी है तो खुदारी से

बन के इक हादसा बाज़ार में आ जाएगा
जो नहीं होगा वो अखबार में आ जाएगा

चोर उचककों की करो कद्र, की मालूम नहीं
कौन, कब, कौन सी सरकार में आ जाएगा

rahat indori shayari in hindi lyrics

लोग हर मोड़ पे रुक रुक के संभलते क्यों हैं
इतना डरते हैं तो फिर घर से निकलते क्यों हैं
मोड़ होता है जवानी का संभलने के लिए
और सब लोग यही आके फिसलते क्यों हैं

साँसों की सीडियों से उतर आई जिंदगी
बुझते हुए दिए की तरह, जल रहे हैं हम
उम्रों की धुप, जिस्म का दरिया सुखा गयी
हैं हम भी आफताब, मगर ढल रहे हैं हम

इश्क में पीट के आने के लिए काफी हूँ
मैं निहत्था ही ज़माने के लिए काफी हूँ
हर हकीकत को मेरी, खाक समझने वाले
मैं तेरी नींद उड़ाने के लिए काफी हूँ

एक अखबार हूँ, औकात ही क्या मेरी
मगर शहर में आग लगाने के लिए काफी हूँ

shayari rahat indori hindi

दिलों में आग, लबों पर गुलाब रखते हैं
सब अपने चहेरों पर, दोहरी नकाब रखते हैं
हमें चराग समझ कर भुझा ना पाओगे
हम अपने घर में कई आफ़ताब रखते हैं

*Ab Na Main Hun, Na Baaki Hai Zamane Mere,
Fir Bhi MashHoor Hain Shaharon Mein Fasane Mere,
Zindagi Hai Toh Naye Zakhm Bhi Lag Jayenge,
Ab Bhi Baaki Hain Kayi Dost Puraane Mere.*

rahat indori dosti shayari

अब ना मैं हूँ, ना बाकी हैं ज़माने मेरे,
फिर भी मशहूर हैं शहरों में फ़साने मेरे,
ज़िन्दगी है तो नए ज़ख़्म भी लग जाएंगे,
अब भी बाकी हैं कई दोस्त पुराने मेरे।

*Loo Bhi Chalti Thi Toh Baad-e-Shaba Kehte The,
Paanv Failaye Andheron Ko Diya Kehte The,
Unka Anjaam Tujhe Yaad Nahi Hai Shayad,
Aur Bhi Log The Jo Khud Ko Khuda Kehte The.*

लू भी चलती थी तो बादे-शबा कहते थे,
पांव फैलाये अंधेरो को दिया कहते थे,
उनका अंजाम तुझे याद नहीं है शायद,
और भी लोग थे जो खुद को खुदा कहते थे।

*Haath Khali Hain Tere Shahar Se Jate Jate,
Jaan Hoti Toh Meri Jaan Lutate Jate,
Ab Toh Har Haath Ka Patthar Humein Pehchanta Hai,
Umr Gujri Hai Tere Shahar Mein Aate Jate.*

shayari of rahat indori

हाथ ख़ाली हैं तेरे शहर से जाते जाते,
जान होती तो मेरी जान लुटाते जाते,
अब तो हर हाथ का पत्थर हमें पहचानता है,
उम्र गुज़री है तेरे शहर में आते जाते।

*Chehron Ke Liye Aayine Kurbaan Kiye Hain,
Iss Shauk Mein Apne Bade Nuksaan Kiye Hain,
Mehfil Mein Mujhe Gaaliyan Dekar Hai Bahut Khush,
Jis Shakhs Par Maine Bade Ehsaan Kiye Hain.*

rahat indori sad shayari in hindi

चेहरों के लिए आईने कुर्बान किये हैं,
इस शौक में अपने बड़े नुकसान किये हैं,
महफ़िल में मुझे गालियाँ देकर है बहुत खुश,
जिस शख्स पर मैंने बड़े एहसान किये हैं।

*Teri Har Baat Mohabbat Mein Ganwara Karke,
Dil Ke Bazaar Mein Baithe Hain Khasaara Karke,
Main Woh Dariya Hun Ke Har Boond Bhanwar Hai Jiski,
Tumne Achha Hi Kiya Hai Mujhse Kinaara Karke.*

तेरी हर बात मोहब्बत में गँवारा करके,
दिल के बाज़ार में बैठे हैं खसारा करके,
मैं वो दरिया हूँ कि हर बूंद भंवर है जिसकी,
तुमने अच्छा ही किया मुझसे किनारा करके।